Journal Homepage: - www.journalijar.com

INTERNATIONAL JOURNAL OF ADVANCED RESEARCH (IJAR)

Article DOI: 10.21474/IJAR01/12948
DOI URL: http://dx.doi.org/10.21474/IJAR01/12948

ISSN NO. 2320-5407

RESEARCH ARTICLE

INDIAN OCEAN 21 WORLD'S WORLD POLITICS CENTER

Amar Kumar and Vishal
M.Phil. Research Scholar, Center for Deendayal Upadhyay Studies,CUHP, Sapta Sindhu Parisar Dehra kangra-177101(H.P.).

Manuscript Info

Manuscript History
Received: 30 March 2021
Final Accepted: 30 April 2021
Published: May 2021

Key words:-
राष्ट्रीयसुरक्षा, संधिया, युदधाभ्यास, भारत, राजनीतिकाकेंद्र, समुंद्रीकानून

Abstract

दक्षिणएशियाईराज्योंकाजीवनआधारहैहिंदमहासागर।यहमहासागरइनराज्यों कीभौगोलिकसुरक्षा , संप्रभुता , विकास ,विनाश ,जीवनइसीप्राकृतिकधरोहरपरनिर्भरकरताहै।विश्वकाएकमात्रऐसामहासागरजि सकानामकिसीदेश (भारत, हिंद) केनामपररखागयाहै।यहइनराज्योंऔरविश्वकोअनेकोंसंसाधनप्रदानकरताहै।
1971
मेंयहदोमहानविचारोकाटकरावदेखनेकोमिलाऔरएकाएकयहक्षेत्रअन्यक्षेत्रोंसेम हत्वपूर्णहोगया।संधियों , सैन्यअभ्यास , सेनाकीतैनाती , इत्यादिकीएकाएकझडीलगगईऔरआजयहक्षेत्र
21**वीसदीमेंविश्वराजनीतिकाकेंद्रबनगयाहैविश्वकीमहाशक्तियोंअमेरिका , चीन ,फ्रांस ,रूस ,चीन ,ब्रिटेन ,जापानउपस्थितियहदेखीजासकतीहै।जिसनेमूलहिंदमहासागरदेशोंकेव्यपरिक हितों, संप्रभुता ,विदेशनीतिकेलिएसंकटउत्पनकरदियाहै।पूंजीवादऔरसाम्यवादकाहोताटकरा वहिंदमहासागरकीशांतिकोभंगकररहाहै।**

Copy Right, IJAR, 2021,. All rights reserved.

Introduction:-

Corresponding Author:- Amar Kumar and Vishal
Address:- M.Phil. Research Scholar, Center for Deendayal Upadhyay Studies,CUHP, Sapta Sindhu Parisar Dehra kangra-177101(H.P.).

हिंदमहासागरऔरचीनसागरकेइसमानचित्रकोहंगरीमेंजन्मेतुर्कमानचित्रकारऔरप्रकाशकइब्राहिममुटेफेरीकाद्वारा1728 मेंउत्कीर्णकियागयाथा

प्रस्तावना

दक्षिणएशियाईराज्योंकाजीवनआधारहैहिंदमहासागर।यहमहासागरइनराज्योंकीभौगोलिकसुरक्षा , संप्रभुता , विकास ,विनाश ,जीवनइसीप्राकृतिकधरोहरपरनिर्भरकरताहै।विश्वकाएकमात्रऐसामहासागरजिसकानामकिसीदेश (भारत, हिंद) केनामपररखागयाहै।उतरमेंयहभारतीयउपमहाद्वीप ,पश्चिममेंपूर्वअफ्रीका ,पूर्वमेंहिंदचीन , ,आस्ट्रेलियातथादक्षिणध्रुवसागरसेघिराहुआहै।हिंदमहासागरमेंसमुद्रकोगलियोंकोसबसेअधिकरणनीतिकरूपसेमहत्वपूर्णमाना जाताहैजिनसेविश्वके८०प्रतिशतसेअधिकतेलऔरअन्यवस्तुओंकाव्यापारहोताहै।इसमहासागरमेंअनेकोंखनिजपदार्थपाएजातेहै। मानवकीबढ़तीआवश्कतानेकतिपयउन्नतराष्ट्रोंकोमहासागरोंमेंखोजकार्यहेतुबाध्यकिया।औरइनराज्योंनेअपनेढंगसेसागरसम्प दाकाप्रयोगकरनाशुरूकरदिया।इनमहाकायसागरोमेंखनिजऔरखाद्यसम्पदाकाविशालभंडारमौजूदहै।दिसम्बर१९८२में uno नेजमैकामेंएकसमेलनआयोजितकरवाया।जिसमे११९देशोंनेभागलिया।इससमेलनमें३२०समुद्रीनियमबनाएगए।अधिकतमदेशों नेइससमझौतेमेंअपनीसहमतिदी।किन्तुअमेरिका , इंग्लैंड,जर्मनीजैसेराज्योंनेइसपरसहमतिदेनेसेइंकारकरदिया।समुद्रीसंसाधनोंकेउपयोगहेतुप्रादेशिकएवमबाह्ययाखुलासागररखा गयाजिसकाउपयोगसभीराज्यकरसकेंगे।बादमेंimoकेसहयोगसेप्रादेशिकसीमा१२ n तयकरदीगईजोवर्तमानमेंभीप्रत्येकतटीयराज्यप्रयोगकरताहै।विश्वयुद्धप्रथम१९१४-१९१८द्वितीय१९३९-१९४५नेसमुद्रकेमहत्वकोगईगुनाबढ़ादियाथा।अबप्रत्येकदेशसमुद्रोंपरनियंत्रणकरनेकीहोड़मेंशामिलहोगयाथा (४४लैंडलॉक

)देशोंकोछोड़कर।७०केदशकतकहिंदमहासागरशांतिस्थलथा।यहांकेतटीयराज्यमहासागरकीसंपदाकोभयमुक्तहोकरइस्तेमालकर तेथे।किन्तु१९७१केभारतऔरपाकयुद्धनेइसक्षेत्रमेंमहाशक्तियोंकेसीधेदखलकोनिमंत्रणदेदिया।अमेरिका ,रूस ,चीन ,जापान , इंग्लैंड ,फ्रांस ,चीननेहिंदमहासागरतटीयराज्योंकेसाथसंधियां, समझौतोंयुद्धअभ्यासोंकीझडीलगादी।औरहिंदमहासागरदेखतेहीदेखतेहिंदमहासागर२१वीसदीकीविश्वराजनीतिकाकेंद्रबिंदुबनग या।जिसनेइसक्षेत्रकेराज्योंकेलिएविकास

,विज्ञानकेमार्गखोलदिए।विकसितदेशोंनेउनकेराज्योंमेंअरबोंकानिवेशआरम्भकरदिया।किन्तुसाथहीइनराज्योंकीविदेशनीति ,संप्रभुतामेंहस्तक्षेपकरनाशुरूकरदिया।जिसकेकारणआजइनराज्योंकीराष्ट्रीयसुरक्षाखतरेमेंहै ,

इनकीविदेशनीतिपरविदेशीप्रभावदेखनेकोमिलरहाहै।राजनीतिकायहनयाकेंद्रभारतकोविश्वकेमानचित्रपरएकनएरूपमेंउकेररहाहै ।

Naval exercises [edit]

India often conducts naval exercises with other friendly countries designed to increase naval cooperation and also to strengthen cooperative security relationship. Some such exercises take place annually or biennially:

Exercise	Navy/Navies	First Edition	Last Edition	Total Editions	Notes/ References
VARUNA	French Navy	1983	2019	17	[212][213]
KONKAN	Royal Navy	2004	2019	14	[214][215]
INDRA	Russian Navy	2003	2020	11	[216][217]
MALABAR	US Navy, JMSDF	1992	2020	24	[218][219]
SIMBEX	Singapore Navy	1994	2020	27	[220][221]
IBSAMAR	Brazilian Navy, South African Navy	2008	2018	6	[222][223]
SITMEX	Singapore Navy, Thai Navy	2019	2020	2	[224]
SLINEX	Sri Lanka Navy	2012	2020	8	[225][226]
NASEEM-AL-BAHR	Oman Navy	1993	2020	12	[227]
AUSINDEX	Australian Navy	2015	2019	3	[228]
JIMEX	JMSDF	2012	2020	4	[229]
ZA'IR-AL-BAHR	Qatari Navy	2019	2019	1	[230]
SAMUDRA SHAKTI	Indonesian Navy	2018	2019	2	[231]
BONGOSAGAR	Bangladesh Navy	2019	2020	2	[232]

Naval ships from 17 nations Indian Ocean Naval Symposium participated in *Milan* exercise 2014

Coordinated patrols include: Indo–Thai CORPAT (28 editions),[233] Indonesia–India CORPAT (33 editions),[234] IMCOR with Myanmar (8 editions).[235] The Indian Navy conducted a naval exercise with the People's Liberation Army Navy in 2003,[236] and also sent ships to the South China Sea to participate in the fleet review.[237] In 2005, TROPEX (Theatre-level Readiness Operational Exercises) was held during which Indian Navy experimented the doctrine of influencing a land and air battle to support the Indian Army and the Indian Air Force.[238] TROPEX has been conducted annually every year with an exception to 2016.[239] In 2007, Indian Navy conducted naval exercises with Japan Maritime Self-Defence Force and U.S Navy in the Pacific,[240] and also signed an agreement with Japan in October 2008 for joint naval patrolling in the Asia-Pacific region.[241] In 2007, India conducted

अध्ययनकाउदेश्य

हिंदमहासागरसमकालीनसमयमेंराजनीतिकगतिविधियोंकाकेंद्रबनगयाहै।सारेविश्वकीराजनीतिऔररणनीतियहांसेसंचालितहोर हीहैजिसनेदक्षिणएशियाईराज्योंकेलिएएकनवीनअवसरकेसाथगम्भीरसंकटउत्पन्नकियाहैअतइसविषयकाअध्ययनकरनाअति आवश्यकहै।

1 **महाशक्तियोंकीहिंदमहासागरमेंगतिविधियोंकाअध्ययन।**

2. **दक्षिणएशियाईराज्योंकेलिएनएअवसरपरसंकटकाअध्ययन।**

3. **हिंदमहासागरमेंपूंजीवाद (लोकतंत्र ,उदारवाद) औरसाम्यवाद (नवसम्राज्यवाद) काअध्ययन।**

अध्ययनविधि

प्रस्तुतशोधपत्रएकव्यवहारिकपरिस्थितिकाअध्ययनहैजोमूलरूपसेद्वितीयतथ्योंपरआधारितहै।इसकेसंपादनकेलिएवैज्ञानिकप द्धतिकेविभिन्नचरणोंकाक्रमवारप्रयोगकियागयाहै।आवश्यकतथ्योंकेसंकलनकेलिएद्वितीयस्रोतोंकेविविधउपकरणोंयथाशोधप त्रोपत्रिकाओं ,इंटरनेटएवमसंबन्धितपुस्तकोंआदिकाप्रयोगकियागयाहै।इसअध्ययनकेलिएअभिकल्पकेरूपमेंवर्णात्मक, विश्लेषणात्मकशोधअभिकल्पकाचयनकियागयाहै।

तथ्योंकाविश्लेषण

सामान्य

हिन्दमहासागरतटवर्तीदेश		
अफ्रीका	इरित्रिया ·कीनिया ·कोमोरोस ·जिबूती ·मिस्र ·फ़्रान्स (*मेयोट*और*रेयूनियों*) ·मेडागास्कर ·मॉरिशस ·मोज़ाम्बीक ·सेशेल्स ·सोमालिया ·दक्षिणअफ़्रीका ·सूडान ·तंजानिया ·*सोमालीलैंड*(गैरमान्यताप्राप्त) ·*रोड्रीग्वेज*, मौरीशस ·*ज़ंज़ीबार*, तंजानिया	
एशिया	इराक़ ·ईरान ·इजराइल ·इंडोनेशिया ·ओमान ·क़तर ·कुवैत ·थाईलैण्ड ·पाकिस्तान ·पूर्वीतिमोर ·बहरीन ·बांग्लादेश ·भारत ·म्यान्मार ·जॉर्डन ·मलेशिया ·मालदीव ·सउदीअरब ·श्रीलंका ·संयुक्तअरबअमीरात ·यमन ·*क्रिसमसद्वीप* and *कोकोस (कीलिंग) द्वीपसमूह*, ऑस्ट्रेलिया ·*ब्रिटिशहिन्दमहासागरीयक्षेत्र (कागोसआर्कीपेलागो)*, यूनाइटेडकिंगडम	
अन्य	*अंटार्कटिका* ·ओशिआनिया (ऑस्ट्रेलिया)	

A. संयुक्तराष्ट्रकीसमुद्रीकानूनसंधि एकअन्तरराष्ट्रीयसमझौताहैजोविश्वके सागरों और महासागरों परदेशोंकेअधिकारऔरउत्त रदायित्वोंकोनिर्धारितकरताहैऔरसमुद्रीसाधनोंकेप्रयोगोंकेलियेनियमस्थापितकरताहै।यहसन्धिसन्1982 मेंतैयारहोगयीलेकिनइसमेंएकनियमथाकेजबतक60 देशोंकेप्रतिनिधिइसपरहस्ताक्षरनहींकरदेतेयहकिसीपरलागूनहींहोगी।सन्1994 में गयाना इसपरहस्ताक्षरकरनेवालासाठवाँदेशबना।सन्2011 तक161 देशइसपरहस्ताक्षरकरचुकेथे।

B. सन्धिकेकुछचुनेहुएनियम

- **अन्दरूनीजल - यहवेसारेजलाशयऔरनदियाँहोतीहैंजोकिसीदेशकीभूमिसीमाकेभीतरहों।इनपरराष्ट्रअपनीस्वेच्छासेनियमबनासकतेहैं।कि सीअन्यराष्ट्रकीनौकाकोइनमेंघुसनेकायाइनकाप्रयोगकरनेकाकोईअधिकारनहींहै।**
- **क्षेत्रीयजल - किसीराष्ट्रकेतटसे12 समुद्रीमील केभीतरकाक्षेत्रउसराष्ट्रकाक्षेत्रमानाजाताहै।इसमेंवहराष्ट्रअपनेकानूनबनासकताहैऔरजि ससाधनकाजैसेचाहेप्रयोगकरसकताहै।विदेशीनौकाओंकोइसक्षेत्रसे " निश्चलपरिवहन "करनेकाअधिकारहै, जिसकीपरिभाषायहहैकेवेबिनारुकेसीधेइसक्षेत्रसेहोकरअपनेगन्तव्यतकजासकतेहैं।उसराष्ट्रकीसुरक्षाऔरशान्तिकोकिसीभी तरहसेभंगकरनेकायाभंगकरनेकीधमकीदेनेकाकोईअधिकारनहींहै।आपातकालीनस्थितियोंमेंराष्ट्रकोइसनिष्छलपारवहनप रभीकुछसमयतकरोकलगानेकाअधिकारहै।**
- **निकटवर्तीक्षेत्र - क्षेत्रीयजलसेऔर12 समुद्रीमीलआगेतक) यानितटसे24 समुद्रीमीलआगेतक (राष्ट्रोंकोअधिकारहैकेवेचारपहलुओंपरअपनेकानूनलागूकरसकें - प्रदूषण, कर) लगान(, सीमाशुल्कऔरअप्रवासन)इम्मीग्रेशन(।**

- **आरक्षितआर्थिकक्षेत्र** - **राष्ट्रकेतटअर्थातबेसलाइनसे**200 **समुद्रीमीलबाहरकेक्षेत्रमेंकेवलउसीराष्ट्रकासाधनोंपरआर्थिकअधिकारहै**, **चाहेवहसमुद्रकेतलसेयाउसकेनीचेसेतेलयाअन्यसाधननिकालनाहो**, **चाहेवहमछलीपकड़नेकाअधिकारहो।इसक्षेत्रसेविदेशीनौकाएँऔरविमानखुलीछूटकेसाथनिकलसकतेहैं।यहाँविदेशीराष्ट्रोंऔर कम्पनियोंकोसंचारतारेभीसमुद्रकेतलपरलगानेकाअधिकारहै।**

हिंदमहासागरयूरोपऔरअमेरिकाकेसाथमध्यपूर्व,
अफ्रीकाऔरपूर्वीएशियाकोजोड़नेवालेप्रमुखसमुद्रीमार्गोंकोप्रदानकरताहै।इसमेंफारसकीखाड़ीऔरइंडोनेशियाकेतेलक्षेत्रोंसेपेट्रोलिय मऔरपेट्रोलियमउत्पादोंकाभारीयातायातहै।सऊदीअरब, ईरान, भारतऔरपश्चिम

ऑस्ट्रेलियाकेअपतटीयक्षेत्रोंमेंहाइड्रोकार्बनकेबड़ेभंडारकाउपयोगकियाजारहाहै।दुनियाकाअपतटीयतेलउत्पादनकाअनुमानित**40 %** हिंदमहासागरसेआताहै।समुद्रतटसमुद्रमेंभारीखनिजोंसेभरपूरहै, औरसीमावर्तीदेशों, विशेषरूपसेभारत, पाकिस्तान, दक्षिणअफ्रीका, इंडोनेशिया,
श्रीलंकाऔरथाईलैंडद्वाराऑफशोरप्लेसरजमासक्रियरूपसेशोषणकररहेहैं।उष्णकटिबंधीयमहासागरोंमें,
पश्चिमीहिंदमहासागरमेंमजबूतमानसूनहवाओंकीवजहसेगर्मीमेंफ़ॉइट्लैंकटनकेखिलनेकासबसेबड़ाकेंद्रहोताहै।मानसूनीहवाकीम जबूतीसेएकमजबूततटीयऔरखुलेसमुद्रमेंउतारचढ़ावहोताहै,
जोपोषकतत्वोंकोऊपरीक्षेत्रोंमेंपेशकरताहैजहांप्रकाशसंश्लेषणऔरफ़ॉप्लांकटनउत्पादनकेलिएपर्याप्तप्रकाशउपलब्धहोताहै।येफ़ॉइ ट्लैंकटनब्लूमसमुद्रीपारिस्थितिकीतंत्रकासमर्थनकरतेहैं, समुद्रीभोजनवेबकेआधारकेरूपमें,
औरअंततःबड़ीमछलियोंकीप्रजातियां।हिंदमहासागरसबसेआर्थिकरूपसेमूल्यवानट्यूनाकेदूसरेसबसेबड़ेहिस्सेकेलिएखातेहैं।इस कीमछलीघरेलूखपतऔरनिर्यातकेलिएसीमावर्तीदेशोंकोबढ़तीऔरबढ़तीमहत्वकीहै।रूस, जापान,
दक्षिणकोरियाऔरताइवानसेमछलीपकड़नेवालेबेड़ेभीहिंदमहासागरकाउपयोगकरतेहैं, मुख्यरूपसेचिंराटऔरट्यूनाकेलिए।

शोधसेपताचलताहैकिसमुद्रीपारिस्थितिकतंत्रमेंबढ़तेहुएसमुद्रकेतापमानपरएकटोललेरहेहैं।हिंदमहासागरमेंफाईप्लांक्टनपरिवर्त नपरएकअध्ययनमेंपिछलेछहदशकोंकेदौरान, हिंदमहासागरमेंसमुद्रीफाइप्लांक्टनमें20% तककीकमीकासंकेतमिलताहै।पिछलेआधेशताब्दीकेदौरानटूनापकड़कीदरभीअचानकघटगईहै,
अधिकतरऔद्योगिकमत्स्यिकीबढ़नेकेकारण, महासागरीयवार्मिंगकेसाथमछलीप्रजातियोंकोऔरतनावबढ़ायाजारहाहै।

लुप्तप्रायसमुद्रीप्रजातियोंमेंडगोंग, सील्स, कछुओंऔरव्हेलशामिलहै2016 में,
साउथैम्पटनयूनिवर्सिटीकेब्रिटेनकेशोधकर्ताओंनेहिंदमहासागरकेनीचेजल-
तापीयछंदोंपरछहनईप्रजातियोंकीपहचानकी।येनईप्रजातियां " हॉफ" केकड़ा, एक " विशालपिल्टोस्पिरिड" घोंघे, एकभेड़-समानघोंघे, एकलंगर, एकस्केलवॉर्मऔरएकपोलीकाईटकीड़ेथीं।दूसरीयादूसरीशताब्दीईसापूर्वमें,
हिंदमहासागरपारकरनेकेलिएग्रीसकापहलाग्रीकथा।कहाजाताहैकिसंभवतयाकाल्पनिकनाविकहिप्पलसनेइससमयलगभगअरब सेभारतकेलिएप्रत्यक्षमार्गकीखोजकीथी।1 और2 शताब्दीकेदौरानदक्षिणीभारतकेचेरस,
चोलऔरपांडिओंकेरोमनमिस्रऔरतमिलराज्योंकेबीचविकसितगहनव्यापारसंबंधथे।ऊपरइंडोनेशियाईलोगोंकीतरह,
पश्चिमीनाविकोंनेसमुद्रपारकरनेकेलिएमानसूनकाइस्तेमालकियाएरिथ्रेअनसागरकेपेरिप्लसकेअज्ञातलेखकइसमार्गकावर्णनकर ताहै, साथहीसाथवस्तुओंकेअफ्रीकाऔरभारतलगभग1

सीईकेकिनारेपरविभिन्नवाणिज्यिकबंदरगाहोंकेसाथव्यापारकियागयाथा।इनव्यापारिकबस्तियोंमेंलालसागरतटपरमोसीलोन औरओपनथे।

प्रशांतमहासागरकेविपरीतजहांपॉलिनेशियाकीसभ्यतादूर-दूरतकद्वीपोंऔरएटोलपरपहुंचगईथीऔरउनसेआबादीहुईथी, **औपनिवेशिककालतकलगभगसभीद्वीपों**,
आर्चिपेलॅगोऔरहिंदमहासागरकेएंटोल्सनिर्जनथे।यद्यपिएशियाकेतटीयराज्योंऔरअफ्रीकाकेकुछहिस्सोंमेंकईप्राचीनसभ्यताएं थीं,
लेकिनमालदीवकेंद्रीयभारतीयमहासागरक्षेत्रमेंएकमात्रद्वीपसमूहथेजहांएकप्राचीनसभ्यताविकसितहुईथी।मालदीवकेजहाजोंने पासकेतटोंकीयात्राकरनेकेलिएभारतीयमॉनसूनचालूकाइस्तेमालकिया।1405 **से**1433 **तकएडमिरलझेंगनेहिंदमहासागरकेमाध्यमसेकईखजानेयात्राओंपरअंततःअंततःपूर्वीअफ्रीकाकेतटीयदेशोंतकपहुंचनेवालेमिंगरा जवंशकेबड़ेबेड़ेकानेतृत्वकिया।**

C. 1497
मेंपुर्तगालीनाविकवास्कोदगामानेकेपऑफगुडहोपकोगोलकरदियाऔरभारतकेलिएपालकरनेवालेपहलेयूरोपीयऔरबादमेंसुदूरपूर्व बनगए।यूरोपीयजहाजों, भारीतोपसेसशस्त्र, जल्दीव्यापारपरहावी।पुर्तगालनेमहत्वपूर्णजलडमरूमध्यऔरबंदरगाहोंपरकिलोंकीस्थापनाकेद्वाराश्रेष्ठताप्राप्तकी।अफ्रीकाऔर एशियाकेतटकेसाथउनकीआधिकारिकता17 वींसदीकेमध्यतकचली।बादमें, पुर्तगालीकोअन्ययूरोपीयशक्तियोंद्वाराचुनौतीदीगईथीडचईस्टइंडियाकंपनी (1602-1798) नेहिंदमहासागरकेपारईस्टकेसाथव्यापारपरनियंत्रणकीमांगकी।फ्रांसऔरब्रिटेननेक्षेत्रकेलिएव्यापारिककंपनियोंकीस्थापनाकी।15 65
सेस्पेननेफिलीपींसऔरप्रशांतक्षेत्रमेंमनीलागैलीसकेसाथएकप्रमुखव्यापारिकऑपरेशनकीस्थापनाकी।पुर्तगालकेसाथटेर्डसीलाकी संधिकेबाद, स्पैनिशव्यापारिकजहाजोंनेजानबूझकरहिंदमहासागरसेपरहेजकिया।1815 तक, हिंदमहासागरमेंब्रिटेनप्रमुखशक्तिबनगया।

D. एयरोइंडिया2021केदौरानभारतहिंदमहासागरक्षेत्रकेरक्षामंत्रियोंकासम्मेलन
भारत04 फरवरी, 2021 कोएयरोइंडिया2021 - 3 से5 फरवरी, 2021 तकबेंगलुरुमेंआयोजितहोनेवालेएशियाकेसबसेबड़ेएयरोशो-केदौरानहिंदमहासागरक्षेत्र (आईओआर) केरक्षामंत्रियोंकेसम्मेलनकीमेज़बानीकरेगा।सम्मेलनकाव्यापकविषय'हिंदमहासागरमेंशांति, सुरक्षाऔरसहयोगमेंवृद्धि' करनाहोगा।यहआयोजनरक्षासचिवकेस्वागतभाषणऔरहिन्दमहासागरक्षेत्रकेविभिन्नदेशोंकेरक्षामंत्रियोंकेसंबोधनकेसाथशुरूहो गा।रक्षामंत्रीश्रीराजनाथसिंहइसदौरानसमापनभाषणदेंगे।

दिनांक30 जनवरी2021 तकचारदेशों (मालदीव, कोमोरोस, ईरानऔरमेडागास्कर) केरक्षामंत्रियों, छहदेशों (ऑस्ट्रेलिया, केन्या, सेशेल्स, मॉरीशस, कुवैतऔरम्यांमार) केराज़दूतों/ उच्चायुक्तों, सूडानकेरक्षासचिवऔर10 देशोंकेसेनाप्रमुखोंसमेतकुल18 देशोंसेसम्मेलनमेंभागीदारीकीपुष्टिहुईहै।इसकेअलावाछहदेशयातोसीधेआभासीरूपसेभागलेरहेहैंयाअपनेरिकॉर्डेडसंदेशभेजरहेहैं।

यहसम्मेलनएकसंस्थागत, आर्थिकऔरसहकारीवातावरणमेंबातचीतकोबढ़ावादेनेकीएकपहलहैजोहिंदमहासागरक्षेत्रमेंशांति, स्थिरताऔरसमृद्धिकेविकासकोबढ़ावादेसकताहै।यहसम्मेलनभागलेनेवालेदेशोंकेबीचरक्षाउद्योगसहयोगसेजुड़ेविषयों, डिजाइनऔरजहाजनिर्माणकेलिएभारतीयरक्षाशिपयार्डोंमेंउपलब्धसंसाधनोंकाआदान-प्रदान, मित्रदेशोंकेसाथभारतीयबंदरगाहों,

बढ़ीहुईसमुद्रीडोमेनजागरूकताकीदिशामेंसूचनासाझाकरने, समुद्रीनिगरानीऔरसहयोग, मानवीयसहायताऔरआपदाराहत (एचएडीआर), समुद्रीप्रदूषणकीप्रतिक्रियासंबंधीगतिविधियों, समुद्रीसंसाधनोंकेइस्तेमालकेलिएप्रौद्योगिकियोंऔरक्षमताओंकाविकासइत्यादिविषयोंपरचर्चाकरेगा।

रक्षामंत्रियोंकेसम्मेलनकेबाददोसेमिनारहोंगे।पहलासेमिनारभारतीयनौसेनाऔरनौसेनामैरीटाइमफाउंडेशनद्वारा4 फरवरी, 2021 कोआयोजितकियाजाएगाऔरदूसरासेमिनारभारतीयतटरक्षक/ भारतशक्ति/इन्वेस्टइंडिया/ भारतीयरक्षाशिपयार्डएंडइंडस्ट्रीद्वारादिनांक5 फरवरी, 2021 कोआयोजितकियाजाएगा।

कॉन्क्लेवऔरदोनोंअनुवर्तीसेमिनार'शांति, प्रगतिऔरसमृद्धि' केक्षेत्रमेंहिन्दमहासागरक्षेत्रकोसाकारकरनेऔरसततविकासऔरपारस्परिकसह-अस्तित्वकेलिएक्षेत्रकेदेशोंकेबीचसहयोगऔरसमन्वयकोबढ़ानेमेंमहत्वपूर्णभूमिकानिभातेरहेंगे।

विशेष

ब्रिटेनकेहिंदमहासागरसेहटनेऔर१९७१केभारतपाकयुद्धनेपूंजीवादऔरसाम्यवादकोसीधाहिंदमहासागरमेंआमनेसामनेलाकरखड़ा करदिया।यदिउससमयवहसंघर्षयुद्धमेंबदलतातोनिश्चयहीविश्वकाविनाशहोजाता।उसकेबादविश्वमेंसंधि ,समझौतोंकीझड़ीलगगई।अमेरिकाकोअपनेतेलऔरव्यापारकेहितोंकेसाथसाथसाम्यवादकोभीरोकनाथाइसलिएउसने NATO, CENTO ,SEATO ANZUS **संधियांकी।बदलेमेंसोवियतसंघनेवारसाशुरूकी।अमेरिकीखेमेनेहिन्दमहासागरमेंजलसेनाऔरवायुसेनासम्बन्धस्थापितकरनेमेंते जीलाई।अमेरिकाने** USCENTCOM **बनायाजिसकामुख्यालयकतरमेंरखागया।१९९१मेंसोवियतसंघकेविघटननेकुछसमयहेतुइसक्षेत्रकोशांतकरदिया।किन्तुसाम्यवा दकाउभरतानयारूपचीनजोआजअग्रिमअर्थवयवस्थाओंमेंसेएकहैउसकीप्रगतिऔरहिंदमहासागरमेंदखलनेपुनःइससस्पर्थाकोआगेब ढ़ाया।हिंदमहासागरमेंचीनकेहितोंकोबात१९८५मेंउनकेएकराजनेतानेरखी।२१वीसदीमेंचीनकीमहत्वकांशीयोजनावनवेल्टवनरोड जोयूरोपसेएशिया ,आस्ट्रेलियासेभारतीयमहाद्वीपकोचीनकेसाथपूर्णतजोड़एकनयारूपदेगा।वास्तवमेंयहअपनीतरहकीअकेलीविश्वव्यापीयोजनाहै जोराज्योंकीसीमाओंकेमध्यसेहोकरगुजरेगी।अगर** BRI **बनतीहैतोचीनहिंदमहासागरमेंएकप्रभावीशक्तिबनकेउभरेगाजिससेतटीयराज्योंकीसुरक्षाखतरेमेंपड़सकतीहै।चीननेअपनेहितों कोरक्षाकेलिएडिफेंसअमरेलाबनायाहैजिसमेम्यामार ,मालदीप ,श्रीलंकाकेसाथसमझौतेकिएगएहै।२०१७मेंचीनकेद्वारा**dibouti **(अफ्रीकाकेसमीप) एकसैन्यवेसबनायागयाहैजोअमेरिकाके**diesogarcie**और** GCC **केसमीपहैवास्तवमेंचीनकायहकार्यउसकेअदोउदेश्योकोपूराकरताहै।एकतेलहितोंकीसुरक्षा ,दूसरापूंजीवाद /अमेरिकापरपकड़औरतीसराहिंदमहासागरमेंस्थाईउपस्थिति।चीनम्यायारके**kyaukpyo**पोर्टकेनिर्माणकार्यमेंशामिलहुआ।ऐसेही गद्दावर (पाक) ,चिटगोग (बांग्लादेश) , हिमतोटा , कोलंबो (श्रीलंका) मेंशामिलहुए।इनसबकार्योंकाएकमात्रउद्देश्यहिंदमहासागरमेंरहअपनेहितोंकोपूर्तिकरनाऔरअमेरिका ,जापान , फ्रांस ,इंग्लैंडकेप्रभावकोरोकनाहैऐसाचीनदर्शाताहै।**

बीआरआई प्रोजेक्ट से ऑस्ट्रेलिया का हटना जिनपिंग के लिए बड़ा झटका

केनबरा। चीन के महत्वाकांक्षी बेल्ट एंड रोड इनीशिएटिव (बीआरआई) प्रोजेक्ट से ऑस्ट्रेलिया ने अलग होने की घोषणा के साथ साफ कहा है कि यह प्रोजेक्ट उसके हितों के खिलाफ है। ऑस्ट्रेलिया का यह फैसला शी जिनपिंग के लिए बड़ा झटका है। प्रोजेक्ट से जुड़े कई अन्य देशों द्वारा भी ऐसा कदम उठाने की संभावना जताई जा रही है।

ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन ने विक्टोरिया राज्य और राष्ट्रीय विकास व सुधार आयोग के साथ चीन के बीआरआई समझौते को हाल ही रद्द कर दिया था। इसी समझौते के तहत 23 अक्टूबर 2019 में हुआ एक अन्य करार भी यहां की केंद्र सरकार ने रद्द करने की घोषणा कर दी है। विदेश मंत्री मैरिस पेन ने कहा कि बीआरआई समझौता कॉमनवेल्थ कानूनों के तहत बने 'फॉरेन-वीटो' प्रावधान का उपायोग करते हुए रद्द किया गया है। एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया ने कहा हमारे देश के हितों के खिलाफ है प्रोजेक्ट

स्कॉट मॉरिसन शी जिनपिंग

समझौता रद्द होने के मायने

- विशेषज्ञों के अनुसार चीन और ऑस्ट्रेलिया के बीच औद्योगिक उत्पादन, बायोटेक्नोलॉजी और कृषि क्षेत्र में सहयोग के लिए यह समझौता किया गया था। इसके रद्द होने का तीनों क्षेत्रों पर असर होगा
- सबसे ज्यादा नुकसान चीन को होगा। उसे बीआरआई प्रोजेक्ट बनाए रख पाना मुश्किल होगा
- ऑस्ट्रेलिया के हटने के बाद बीआरआई से जुड़े अन्य देश भी ऐसा कदम उठा सकते हैं या समझौते को लागू करने में देरी कर सकते हैं।
- इससे पूरे प्रोजेक्ट में देरी होगी जो खर्च बढ़ाएगी व योजना में रुचि रखने वाले देशों को भी पीछे हटने के लिए मजबूर कर सकती है।

विवादास्पद शर्तें : चीन से लोन लिया, यह तक नहीं बता सकते

बीआरआई समझौते की कई शर्तों को विवादास्पद माना जाता है, चीन ने अपने हितों के इन्हें तय किया है। अमेरिका के जॉर्ज टाउन विश्वविद्यालय के अनुसार कई शर्तें तो ऐसी है कि चीन से ऋण लेने वाले देश सार्वजनिक तौर पर यह भी नहीं बता सकते कि उन्होंने ऋण लिया है। शर्तों को इस प्रकार बनाया गया है कि ऋण लेने वाले देश अपनी घरेलू और विदेश नीतियों पर चीन के अनुसार चलने को मजबूर हो सकते हैं।

चीन आगबबूला... ऑस्ट्रेलिया के निर्णय को चीन ने नकारात्मक कदम बताया। साथ ही कहा कि इससे द्विपक्षीय संबंध खट्टे होंगे। चीन के प्रमुख कूटनीतिज्ञ चेंग जिंगये ने ऑस्ट्रेलिया को दोनों देशों के बिगड़ते संबंधों के लिए दोषी बताया। वैसे अप्रैल 2020 से ही दोनों देशों के संबंध बिगड़ रहे हैं।

यूरोपीय संघ में भी विरोध... हांगकांग के लोकतंत्र समर्थकों व चीन में उइगर मुसलमान अल्पसंख्यकों पर अत्याचार के लिए चिंता जताने पर यूरोपीय संघ के साथ भी चीन की तनातनी बढ़ती जा रही है। उसने हाल में यहां के कई अधिकारियों जनप्रतिनिधियों, राजदूतों और अकादमिक जगत के लोगों पर पाबंदियां लगा दी।

किन्तुतटीयराज्यभारतइनसभीकार्योंकोसाम्यवादकेप्रभावकेरूपमेंदेखताहैऔरअन्यराज्योंकीराष्ट्रीयसुरक्षाहेतुखतरामानताहै। Imo **संस्थाजोसमुद्रीकानूनकेमामलोकोदेखतीहै।उसकेद्वाराहिंदमहासागरहेतुभीसामान्यसमुद्रीकानूननिर्मितकिएहैजोकिअन्योकीभांतिलागूहोतेहै।हिंदमहासागरमेंसबसेज्यादाटकरावभारतऔरचीनकादेखनेकोमिलरहाहै।१९९०मेंचीननेम्यामरमेंअपनाप्रभावबढ़ानाशुरूकिया।भारतद्वाराइसकाविरोधकियागया।१९९५मेंविलक्लिंटनऔरनरसिम्हारावमेंहिंदमहासागरमेंशक्तिबढ़ानेपरसहमतिबनी।हिंदमहासागरमेंचीनकेप्रभावकोरोकनेहेतु , भारत ,जापान ,अमेरिकाद्वारामलावरयुद्धअभ्यास२००७मेंकियागयाजोनिरन्तरजारीहै।फ्रांसजिसकाजिससेकोईसरोकारनहींउसकेऔरभारतकेमध्य११मार्च२०१८कोएकसमझौताहुआकीवहहिंदमहासागरमेंभारतकोसैन्यउपकरणमुहैयाकराएगा।ऐसेनिरन्तरयुद्धअभ्यास , ऋण , निवेश , mou , समझौतेइसक्षेत्रकोराजनीतिकीधुरीबनातेजारहेहै।**

निष्कर्ष

विश्लेषिततथ्यऔरआंकड़ेइसविचारकोप्रमाणितकरतेहैकिहिंदमहासागरमेंबढ़तीमहाशक्तियोंकोरुचिऔरउपस्थितिनेइसक्षेत्रको२१वीसदीमेंविश्वराजनीतिकीधुरीबनादियाहै।जहाएकऔरहिंदमहासागरतटीयराज्योंकेविकासमेंयहराज्यनिवेश ,अनुदान , ऋण ,विज्ञानऔरप्रौद्योगिकीकेआदानप्रदानसेसहयोगकररहेहै।वहींदूसरीऔरवहइनकीराष्ट्रीयसुरक्षा

,संप्रभुताकेलिएखतराहै।उनकेराज्यकेसंसाधनोंकादोहनतेजीसेकररहेहै।ऐसेमेंहिंदमहासागरीयदेशोंकोदूरगामीपरिणामोंकोदेखतेहु एव्यवहारकरनाचाइए।

सुझाव

१. हिंदमहासागरतटीयदेशोंकोकोईभीऐसासमझौतानहींकरनाचाहिएजोउनकीराष्ट्रीयसुरक्षाकेलिएखतराहो।

२. हिंदमहासागरतटीयदेशोंकोअन्यकिसीभीदेशकेसाथहिंदमहासागरमेंयुद्धअभ्यासनहींकरनाचाहिए।

३. अमेरिका ,चीन ,केप्रभावकोरोकनेहेतुतटीयदेशोंकोकार्यकरनाचाहिए।

संक्षेपाक्षर

1. ANZUS
2. APEC
3. ASEAN
4. BIMSTEC
5. BRI
6. CENTO
7. NATO
8. SENTO

सन्दर्भग्रन्थसूची

पुस्तकें

1. **शर्माश्यामसुंदर** , (2004) **भविष्यकीआशाहिंदमहासागर** ,**वैज्ञानिकतथातकनीकीशब्दावलीआयोगभारतसरकार** . **पेज** 12 **से** 107

English books

1. C.rajamohan , (2012)samundramanthan page no 190-120.
2. Schottlijivanta , (2015) power , politics and governance in the Indian Ocean , 2 park square ,mition park ,Abingdon ,oxan ,
3. Person mishel (2003) the Indian Ocean,11 new fetter lane ,Landonec 4p4ee.

रिसर्चजर्नल

1. .Ashley ,Jackson (2011) "Britain in the Indian Ocean " journal of the Indian Ocean region ,vol .7, no 2, December ,pp,145-60

2.CIA World Fact Book 2018

3.Demopoulos, Smith & Tyler 2003, Introduction, p. 219

4.Keesing & Irvine 2005, Introduction, p. 11–12; Table 1, p.12

5.Robert d ,Kaplan (2009) "center stage for the twenty -first century " foreign affairs ,vol.88 no 2,pp 16-29.

अख़बार

1 **उजाला**, **अमर** (2021) **बीआरआईप्रोजेक्टसेआस्ट्रेलियाकाहटनाजिनपिंगकेलिएबड़ाझटका।**

Websites

https://hi.wikipedia.org/wiki/हिन्द_महासागर#/media/चित्र:Map_of_the_Indian_Ocean_and_the_China_Sea_was_engraved_in_1728_by_Ibrahim_Müteferrika.jpg

https://en.wikipedia.org/wiki/Indian_Navy#Naval_exercises

https://pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRhttps://www.imo.org